



Parthenium hysterophorus, commonly called as carrot weed or gajar ghas is considered one of the most problematic alien invasive weeds. It has spread in cultivated, fallow and forest areas, and invaded about 35 million hectares of land throughout the country. To apprise the students and farmers about the harmful effects of the Parthenium and its management, Forest Research Centre for Eco-rehabilitation, Prayagraj in collaboration with Department of Botany, Nehru Gram Bharti Deemed University organized a programme for “Parthenium Awareness” on 22nd August, 2022.



In the inaugural address, Shri Alok Yadav Scientist-E and Programme Coordinator urged the students, faculty and staff members and other participants to observe this day with full involvement and dedication. He informed the gathering about various ill effects of this weed such as severe human and animal health issues,

dermatitis, asthma and bronchitis, and agricultural losses besides a great problem for biodiversity.

Dr Anubha Srivastava, Scientist-D given an overview of Parthenium and also stressed on acting throughout the year with an aim to eradicate the Parthenium from the human habitat and develop a viable methodology for possible composting without affecting the health.



On this occasion, Dr. Anita Tomar, Dr. Kumud Dubey, Dr. Adi Nath, Dr. Shakti Nath Tripathi also presented their views in awareness program. The participation of hundreds of students from different faculties made the programme a success.

Later on all the members along with students started a campaign of uprooting Parthenium from the university campus.



Carrot Grass Awareness Week 2022 and Green Accounting Program concluded

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Carrot Grass Awareness Week 2022 and Green Accounting Program concluded in the joint venture of Nehru Gram Bharati University and Forest Research Center for Eco-rehabilitation (FR CER), Prayagraj on

Prayagraj, a massive campaign was launched between Aug 16 and Aug 22, 2022 for the complete eradication of carrot grass. In the campaign it was stated that, Carrot grass (Parthenium hysterophorus) which

Crops are being destroyed in the fields and farmers are suffering from asthma, allergies and many respiratory diseases.

Dr. Anubha Srivastava, Dr. Kumud Dubey, Dr. Anita Tomar, Dr. Alok Yadav, Dr. Pradeep

Singh, Dr. Amitabh Chandra Dwivedi, expressed their views in awareness program. Anshuman Dubey, Brij Mohan, Chhote Lal, Ujjwal Yadav, Brijesh, Shanti, Reshma, Surendra Yadav, Kaleem, Badal, Munnilal,



Tuesday. Under the joint aegis of Botany Department (NGBDU) and FR CER

came from America during the Green Revolution is now becoming a disaster for the crops and farmers.

Upadhyay, Dr. Shakti Nath Tripathi, Dr. Adi Nath, Dr. Rudra Prakash Ojha, Dr. Ashish Shivam, Dr. Anita

Rajiv Pandey and hundreds of students of science faculty were also present in the program.

गाजर घास बनी फसलों और किसानों के लिए आफत का सबब



वॉइस ऑफ इलाहाबाद प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय व फॉरेस्ट रिसर्च सेंटर फॉर इकोरहाबिलिटेशन प्रयागराज के संयुक्त में गाजर घास जागरूकता सप्ताह 2022 एवं हरित लेखांकन कार्यक्रम संपन्न, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग एवं एफ आर सी ई आर प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 16 से 22 अगस्त तक चल रहे गाजर घास समूल उन्मूलन हेतु वृहद अभियान चलाया गया।

उपयुक्त कार्यक्रम में बताया गया कि भारत में हरित क्रांति के समय अमेरिका से आयी गाजर घास (पार्थेनियम हिस्ट्रोफोरस) अब यहां की फसलों और किसानों के लिए आफत का सबब बन रही है। इस घास की वजह से खेतों में फसलें बर्बाद हो रही हैं और किसान अस्थिरा एलर्जी और सांस संबंधित कई बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। इस अवसर पर एफ आर सी ई आर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अंशुभा श्रीवास्तव डॉ कुमुद दुबे डॉ अनिता तोमर डॉ आलोक यादव

विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ प्रदीप उपाध्याय डॉ शक्ति नाथ त्रिपाठी डॉ आदि नाथ डॉ. रुद्र प्रकाश ओझा विज्ञान डीन डॉ. आशीष शिवम डॉ अनिता सिंह डॉ अमिताभ चन्द्र द्विवेदी ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

जागरूकता कार्यक्रम में अंशुमान दुबे बृज मोहन छोटे लाल उज्ज्वल यादव बृजेश शांति रेशमा सुरेन्द्र यादव कलीम बादल मुनीलाल राजीव पाण्डेय एवं विज्ञान संकाय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।



भारत में हरित क्रांति के समय अमेरिका से आयी गाजर घास (पार्थेनियम हिस्ट्रोफोरस) अब यहां की फसलों और किसानों के लिए आफत का सबब बन रही

© August 23, 2022 by Editor Desk

Ujala Live



भारत में हरित क्रांति के समय अमेरिका से आयी गाजर घास (पार्थेनियम हिस्ट्रोफोरस) अब यहां की फसलों और किसानों के लिए आफत का सबब बन रही



नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय व फॉरेस्ट रिसर्च सेंटर फॉर इकोरहाबिलिटेशन, प्रयागराज के संयुक्त में गाजर घास जागरूकता सप्ताह 2022 एवं हरित लेखांकन कार्यक्रम संपन्न, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग एवं एफ आर सी ई आर प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 16 से 22 अगस्त तक चल रहे गाजर घास समूल उन्मूलन हेतु वृहद अभियान चलाया गया, उपयुक्त कार्यक्रम में बताया गया कि भारत में हरित क्रांति के समय अमेरिका से आयी गाजर घास (पार्थेनियम हिस्ट्रोफोरस) अब यहां की फसलों और किसानों के लिए आफत का सबब बन रही है, इस घास की वजह से खेतों में फसलें बर्बाद हो रही हैं और किसान अस्थिरा एलर्जी और सांस संबंधित कई बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं, इस अवसर पर एफ आर सी ई आर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अंशुभा श्रीवास्तव डॉ कुमुद दुबे डॉ अनिता तोमर डॉ आलोक यादव विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ प्रदीप उपाध्याय डॉ शक्ति नाथ त्रिपाठी डॉ आदि नाथ डॉ. रुद्र प्रकाश ओझा विज्ञान डीन डॉ. आशीष शिवम डॉ अनिता सिंह डॉ अमिताभ चन्द्र द्विवेदी ने अपने विचार प्रस्तुत किए, जागरूकता कार्यक्रम में अंशुमान दुबे बृज मोहन छोटे लाल उज्ज्वल यादव बृजेश शांति रेशमा सुरेन्द्र यादव कलीम बादल मुनीलाल राजीव पाण्डेय एवं विज्ञान संकाय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

गाजर घास जागरूकता

सप्ताह कार्यक्रम संपन्न

झूसी। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय व फारेस्ट रिसर्च सेंटर फॉर इकोरहाबिलिटीशन की ओर से सोमवार को गाजर घास जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग एवं एफआरसीईआर प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 16 से 22 अगस्त तक चले गाजर घास समूल उन्मूलन के लिए वृहद अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम में एफआरसीईआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनीता तोमर, डॉ. आलोक यादव, विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. प्रदीप उपाध्याय, डॉ. शक्तिनाथ त्रिपाठी, डॉ. आदिनाथ, डॉ.रूद्र प्रकाश ओझा आदि ने विचार रखे। संवाद

गाजर घास समूल उन्मूलन को चला अभियान

नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय व फारेस्ट रिसर्च सेंटर फार इकोरहाबिलिटीशन ने मिलकर गाजर घास जागरूकता सप्ताह मनाया.एफआरसीईआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने कहा कि भारत में हरित क्रांति के समय अमेरिका से आयी गाजर घास (पार्थिनियम हिस्टोफोरस) अब यहां की फसलों और किसानों के लिए आफत का सबब बन रही है.खेतों में फसलें बर्बाद हो रही हैं और किसान अस्थिर, सांस संबधित कई बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं.

गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह का आयोजन

प्रयागराज। आज दिनांक 22.08.2022 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज तथा नेहरू ग्राम भारती, समविश्वविद्यालय, जमुनीपुर कोटवा, प्रयागराज के तत्वाधान में विश्वविद्यालय परिसर में गाजर घास जागरूकता सप्ताह 16-22 अगस्त 2022 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ समविश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विशेषज्ञ आदि उपस्थित थे। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने सभा को सम्बोधित करते हुए गाजर घास की वृद्धि से मिट्टी की उत्पादकता में आने वाली कमी पर विस्तृत चर्चा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दुबे ने गाजर घास पर चिंतन व्यक्त करते हुए इसके उन्मूलन विधियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने

गाजर घास की उपस्थिति से कृषि उत्पादकता में होने वाली हानि तथा जैव - विविधता में क्षति पर विस्तृत चर्चा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने गाजर घास के विभिन्न दुष्भावों पर चर्चा किया। समविश्वविद्यालय के डा0 आदिनाथ, प्रमुख, वनस्पति विज्ञान विभाग ने भारत में इसके आगमन तथा फैलाव पर विस्तृत रूप से चर्चा की साथ ही इसके निवारण पर भी प्रकाश डाला। शक्ति सिंह, सहा0 प्रो0 तथा प्रदीप उपाध्याय, सहा0 प्रो0 ने भी अपने - अपने अनुभव साझा किये। संगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुयी। डॉ0 आदिनाथ के निर्देशन में विश्वविद्यालय के छात्रों ने गाजर घास को उखाड़ कर इसे जड़ से समाप्त करने की ओर एक कदम बढ़ाया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के सम्बन्धित विषय के स्नातक / परास्नातक तथा शोध छात्र आदि उपस्थित रहे

गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं)।पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज तथा नेहरू ग्राम भारती, समविश्वविद्यालय, जमुनीपुर कोटवा, प्रयागराज के तत्वाधान में विश्वविद्यालय परिसर में गाजर घास जागरूकता सप्ताह 16-22 अगस्त 2022 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ समविश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विशेषज्ञ आदि उपस्थित थे। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने सभा को सम्बोधित करते हुए गाजर घास की वृद्धि से मिट्टी की उत्पादकता में आने वाली कमी पर विस्तृत चर्चा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दुबे ने गाजर घास पर चिंतन व्यक्त करते हुए इसके उन्मूलन विधियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने गाजर घास की उपस्थिति से कृषि उत्पादकता में होने वाली हानि तथा जैव - विविधता में क्षति पर विस्तृत चर्चा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने गाजर घास के विभिन्न दुष्भावों पर चर्चा किया। समविश्वविद्यालय के डा0 आदिनाथ, प्रमुख, वनस्पति विज्ञान विभाग ने भारत में इसके आगमन तथा फैलाव पर विस्तृत रूप से चर्चा की साथ ही इसके निवारण पर भी प्रकाश डाला। शक्ति सिंह, सहा0 प्रो0 तथा प्रदीप उपाध्याय, सहा0 प्रो0 ने भी अपने - अपने अनुभव साझा किये। संगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुयी। डॉ0 आदिनाथ के निर्देशन में विश्वविद्यालय के छात्रों ने गाजर घास को उखाड़ कर इसे जड़ से समाप्त करने की ओर एक कदम बढ़ाया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के सम्बन्धित विषय के स्नातक / परास्नातक तथा शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।